मिलों पर गन्ना किसानों के 5,800 करोड़ बकाया

[पीटीआई *नई दिल्ली*]

चीनी मिलों ने गन्ना किसानों को करीब 53,000 करोड़ रुपए का भुगतान किया है और सितंबर में समाप्त होने वाले मार्केटिंग ईयर में जून तक मिलों पर किसानों के 5,800 करोड़ रुपए बकाया थे।

फूड मिनिस्टर के वी थॉमस ने लोकसभा में बताया कि जून तक किसानों को 58,806.97 करोड़ रुपए की रकम दी जानी थी और इसमें से मिलों ने 52,895.94 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया है। गन्ने की बकाया रकम जून तक 5,821.03 करोड़ रुपए थी। उत्तर प्रदेश की मिलों पर गन्ना किसानों का सबसे ज्यादा 4,234.60 रुपए बकाया था। महाराष्ट्र में गन्ने की बकाया रकम लगभग शून्य थी।

तमिलनाडु, उत्तराखंड और कर्नाटक की मिलों पर बकाया रकम क्रमश: 501.37 करोड़ रुपए, 375.82 करोड़ रुपए और 352.69 करोड़ रुपए है। थॉमस ने कहा, 'बकाया रकम की स्थिति नई सप्लाई आने और पिछली सप्लाई का भुगतान करने की वजह से लगातार बदलती रहती है। अभी यह नहीं बताया जा सकता कि किसानों को उनकी बकाया रकम का कब तक भुगतान हो सकता है।' उन्होंने बताया कि शुगरकेन (कंट्रोल) ऑर्डर, 1966 में सप्लाई के 14 दिनों के अंदर गन्ने की कीमत चुकाने का प्रावधान है। ऐसा नहीं करने पर किसानों को 15 फीसदी सालाना इंटरेस्ट देना पड़ता है। 2012-13 के मार्केटिंग ईयर (अक्टूबर-सितंबर) में देश में चीनी का प्रोडक्शन 2.5 करोड़ टन रहने का अनुमान है। देश में इसकी सालाना खपत 2.2 करोड़ टन की है। दुनिया में भारत चीनी का दूसरा सबसे बड़ा प्रोड्यूसर और इसकी सबसे ज्यादा खपत करने वाला देश है।

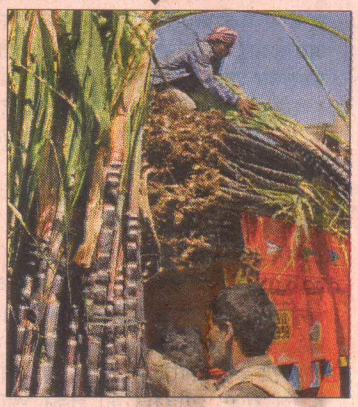

चीनी मिलों ने गन्ना किसानों को अभी तक करीब 53,000 करोड़ रुपए का भुगतान किया है

Economic Times

7/8/13